Roll No. ..... Total Pages : 6

10161/NK

Q–4/2111

VEDIC SAHITYAYEN

Paper–SKTM2101T

Semester–I

(Regular)

Time Allowed : 3 Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाग-क

1. (क) निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4×2=8

(i) यच्चिद्धि ते विशो यथा प्र देव वरुण व्रतम्।
मिनीमसि द्यवि द्यवि।।

(ii) विष्णोर्नु कं वीर्याणि प्र वोचं यः पार्थिवानि चिममे रजांसि।
यो अस्कभायदुत्तरं सधस्थं विचक्रमाणत्त्रेधोरुगायः।।

(iii) अग्निमीले पुरोहितं, यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्।।

(iv) स नः पितेव सूनवे, अग्ने सूयायनो भव।
सचस्वा नः स्वस्तये।।

(ख) उपर्युक्त प्रश्न संख्या 1-(क) में दिये 4 मन्त्रों में से किन्हीं **दो** के सांहिता पाठ को पद-पाठ में परिवर्तित कीजिए। 2×2=4

2. (क) निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×2=6

(i) अभूददेवः सविता वन्द्यो नु न इदानीमह्न उपावाच्यो नृभिः।
वि यो रत्नाभजति मानवेभ्यः श्रेष्ठं नो अत्र द्रविणं यथा दधत्।।

(ii) न प्रमिये सवितुर्दैवस्य तद्यथा विश्वं भुवनं धारयिष्यति।
यत्पृथिव्या वरिमन्नास्वङ्गुरिर्वष्मन्दिवः सुवति सत्यमस्य तत्।

(iii) अहं सोममाहनसं बिभर्म्यहं त्वष्टारमुत पषणं भगम्।
अहं दधामि द्रविणं हविष्मते सुप्राग्येयजमानाय सुन्वते।।

(iv) अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा याज्ञियानाम्।
तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा भूरिस्थां भूर्यावेशयन्तीम्।

(ख) उपर्युक्त प्रश्न संख्या 2-(क) में दिये 4 मन्त्रों में से किन्हीं **दो** के संहिता पाठ को पद-पाठ में परिवर्तित कीजिए। 2½×2=5

भाग-ख

3. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : 4×2=8

(i) यस्यां पूर्वे पूर्वजना विचक्रिरे यस्यां देवा असुरानभ्यवर्तयन्।
गवामश्वानां वयसरच विष्ठा भग वर्चः वृथिवी नो दधातु।।

(ii) यो नो द्वेषत् पृथिवी यः पृतन्याद् योऽभिदासान्मनसा यो वधेन।
तं नो भूमे द्वेषत् रन्धय पूर्वकृत्वरि।।

(iii) असंबाधं मध्यतो मानवानां यस्या उद्वतः प्रवतः समं बहु।
नानावीर्या ओषधीर्या विभर्ति पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः।।

(iv) यत् ते मध्यं पृथिवि यच्च नभ्यं यास्त ऊर्जस्तन्वऽः संवभूवुः।
तसु नो धेह्यभि न पवस्व माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः।।

4. निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×1=5

(i) ता नः प्रजाः सं दुह्नतां समग्रा।
वचो मधु पृथिवी धेहि मह्यम्।।

(ii) विश्वस्वंऽमातरमोषधीनां ध्रवां भूमिं पृथिवीं धर्मणा धृताम्।
शिवां स्योनामनु चरेम विश्वहा।।

5. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×2=10

(i) तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः ऋचः सामानि जज्ञिरे।
छन्दांसि जज्ञिरे तस्माद् यतुस्तस्मादजायत।।

(ii) सप्तास्यासन् परिधयस् त्रिः समिधः कृता।
देव यद्यज्ञं तन्वाना अबध्नन् पुरुषं पशुम्।।

(iii) येन कर्माण्यपसों मनीषिणो यज्ञे कृण्वन्ति विद्थेषु धीराः।
यदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानां तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।।

(iv) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत् परिग्रहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोता तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।।

6. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2½×2=5

(i) अनु नोऽद्यानुमतिर्यज्ञं देवेषु मन्यताम्।
अग्निश्च हव्यवाहनो भवतं दाशुषे मयः।।

(ii) सिनीवालि पृथुष्टुके या देवानामसि स्वसा।
जूषस्व हव्यमाहुतं प्रजां देवि दिदिड्ढि नः।।

(iii) चन्द्रमा मनसो जातश् चक्षोः सूर्यो अजायत।

मुखादिन्द्रश्चाग्निश्च प्राणाद्वायुरजायत।।

(iv) तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः संभृतं पृषदाज्यम्।

पशून्तांश्चक्रे वायव्यानारण्यान्ग्राभ्याश्च ये।।

भाग-ग

7. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं तथा इनमें से किन्हीं **दो** का उत्तर संस्कृत में लिखिए: 10×4=40

(i) 'इन्द्र सूक्त' (2.12) के आधार पर इन्द्र देवता का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ii) पृथ्वी सूक्त का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(iii) शिवसंकल्प सूक्त का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'वाक् देवी' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(v) आप वेदों के सम्बन्ध में क्या जानते हैं? लिखिए।

(vi) 'उरुगाय व वृष्णे' विशेषणों का अर्थ एवं इनसे सम्बद्ध देवता बताइए।

(vii) 'उषस्' (3.61) के आधार पर उषा देवी की विशेषताएँ लिखिए।

(viii) 'स नः पितेव सूनवे अग्ने सूवायनो भव।.... इस मन्त्र का अर्थ बताइए।

(ix) 'वरुण सूक्त' (1.25) के ऋषि तथा इस सूक्त में प्रयुक्त छन्द का नाम लिखिए।

(x) ऋग्वेद के किसी भी एक सूक्त का परिचय लिखिए।